Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 43–2024] CHANDIGARH, TUESDAY, OCTOBER 22, 2024 (ASVINA 30, 1946 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 16 अक्तूबर, 2024

संख्या 12/250–खुंगा कोठी/2024/पुरा/3507–15.— चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों तथा प्राचीन और ऐतिहासिक संस्मारकों का हरियाणाा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है;

इसलिए, अब, हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा, नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हो, के साथ जो प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जाए, पर विचार करेगी।

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
खुंगा कोठी, 20वीं शताब्दी	खुंगा कोठी, 20वीं शताब्दी	खुंगा	जींद	खेवट 178/159 खातूनी 218 हदबस्त 97	65 कनाल – 5 मरला	नवोदय विद्यालय हरियाणा सरकार	यह भव्य हवेली जींद से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह सामंती निवास, 1900 के दशक की शुरुआत में जींद रियासत के राजा रघुबीर सिंह के उत्तराधिकारी और पोते राजा रणबीर सिंह द्वारा आधुनिक पश्चिमी यमुना नहर प्रणाली की चौतांग या चेतंग नहर के सुरम्य बाएं किनारे पर बनाया गया था। स्मारक ब्रिटिश काल के औपनिवेशिक वास्तुशिल्प वैभव के रूप में अपनी गरिमा बनाए रखता है। इसका निर्माण एक वर्गाकार चबूतरे पर किया गया है, जिसमें उत्तर–पूर्वी

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/ शहर का नाम	तहसील/ जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/ किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
							गेहराबदार स्तंभो की ओर एक विशाल बरामदा है। खुंगा कोठी स्थान एक उपयोगितावादी और छेनी की विधि द्वारा बनाई गई आकर्षक आकार की कॉर्निस के साथ उजागर ईंट चिनाई के काम का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 16th October, 2024

No. 12/250-Khungakothi/2024/pura/ 3507-15.— Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains and ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below, to be protected archaeological sites and remains specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, from any person with respect to the proposal which may be received by the Principal Secretary to Government, Haryana, Heritage and Tourism Department, Chandigarh before the expiry of the period so specified: -

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	**Name of archaeological sites and remains**	**Name of village/ city**	**Name of tehsil / district.**	**Revenue Khasra/ Kila number under protection.**	**Area to be protected Kanal-Marla**	**Ownership**	**Remarks**
1	2	3	4	5	6	7	8
Khunga Kothi 20th Century CE,	Khunga Kothi 20th Century CE,	Khunga	Jind	Khevat 178/159 Khatano 218 Hadbast 97	65-5	Navodaya Vidyalaya Government of Haryana	This grand mansion is situated about 15 kms from Jind. This feudal retreat, was built in early 1900s by Raja Ranbir Singh, successor and grandson of Raja Raghubir Singh of Jind Riyasat, on the picturesque left bank of Chautang or Chetang canal of the modern Western Jamuna Canal System. The Monument maintains its dignity as a colonial architectural splendour of the British period. It is built on a square plinth with a spacious porch facing the northeast and inset verandahs with arched colonnades. Khunga Kothi is an excellent example of utilization of space and exposed-brick masonry work with attractively shaped cornices created by the method of chiseling.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government, Haryana,
Heritage and Tourism Department.

11322—C.S.—H.G.P., Pkl.